

एकाग्रता व अनुशासन से सुरक्षित यात्रा सम्भव

शान्तिवन। विचलित मन को काबू करके हम तन को स्वस्थ और मन को तनावमुक्त कर सकते हैं जिसके लिए आध्यात्मिकता बहुत ही कारगर उपाय है।

उक्त विचार गोवा के परिवहन मंत्री भ्राता सुदिन धवलेकर ने ब्रह्माकुमारी यातायात एवं परिवहन प्रभाग द्वारा 'गति, सुरक्षा, आध्यात्मिकता' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय महासम्मेलन में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि हमें परिवार, व्यवसाय और समाज में अपनी जिम्मेवारी को समझने और वाहन दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए यहां दी जा रही शिक्षा को जीवन में अपनाने की आवश्यकता है।

ब्रह्माकुमारी संस्था की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी ने कहा कि जीवन में सुरक्षा के लिए कार्य करते समय हम अलर्ट, एव्युरेट रहें और हर कार्य को प्रवीणता से करें। आध्यात्मिकता से दिल साफ और यात्रा सेफ होगी। एकाग्रता, एकनामी और एकाग्रता इन तीन शब्दों पर हर पल ध्यान दें और अमल में लाएं तो सफलता अवश्य मिलेगी।

पर्यटन मंत्रालय में सहायक महानिदेशक डी. वेंकटेशन ने कहा कि पर्यटन व्यवसाय में धैर्यता जरूरी है। व्यवहार कुशलता से हम



दादी रतनमोहिनी कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए। गोवा के परिवहन मंत्री सुदिन धवलेकर, ब्र.कु. दिव्यप्रभा व ब्र.कु. ओमप्रकाश।

अनेकों को संतुष्ट कर सकते हैं। यातायात एवं परिवहन क्षेत्र में आध्यात्मिक शक्ति के आधार से हर परिस्थिति में हम सुरक्षित अपनी मंजिल की ओर बढ़ सकते हैं। मानसिक सशक्तिकरण के लिए राजयोग अति उपयोगी माध्यम है।

कार्यक्रम में भारत एवं नेपाल के रेल्वे, पर्यटन, ऑटोमोबाइल तथा परिवहन से जुड़े क्षेत्र के 5500 से अधिक संख्या में पधारे प्रतिनिधियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया।

राजमार्ग एवं परिवहन मंत्रालय में सलाहकार ओ.पी.शेखर ने कहा कि 78 प्रतिशत सड़क दुर्घटनायें मानवीय गलती के कारण होती हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार इनमें 50 प्रतिशत कमी लायी जा सकती है। अतः आज सभी दुर्घटनाओं में कमी लाने का संकल्प करें। आध्यात्मिकता के माध्यम से तन और मन के समन्वय से हर प्रकार से बचाव सहज संभव है।

एन. एफ. आई. आर. के

राष्ट्रीय अध्यक्ष गुमान सिंह ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम बार-बार आयोजित होने चाहिए।

ब्रह्माकुमारी संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी ने कहा कि राजयोग मेडिटेशन से जीवन में अनुशासन लाकर अनेक मुश्किलों से बचा जा सकता है।

संस्था के महासचिव ब्र.कु. निर्वैर ने भी अपने अनुभवों से सभी को लाभान्वित किया।

यातायात व परिवहन प्रभाग के

अध्यक्ष ब्र.कु.ओमप्रकाश ने कहा कि सुरक्षित जीवन के लिए वाहन की गति के साथ-साथ मन के संकल्पों की गति पर भी नियंत्रण की जरूरत है।

प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु. दिव्यप्रभा ने कहा कि सुरक्षा के लिए नियमों की पालना तथा मन की एकाग्रता का बहुत महत्व है।

ब्र.कु. संगीता ने विश्व पर्यटन दिवस पर 'जल संरक्षण' की प्रतिज्ञा कराई। ब्र.कु. सुरेश शर्मा ने सबका आभार व्यक्त किया और इलाहाबाद से पधारी ब्र.कु. मनोरमा ने मंच संचालन किया।

महासम्मेलन में 5 तकनीकी और 6 मेडिटेशन सत्रों का आयोजन हुआ। इनमें मीटिंग चैलेंजेस-ग्रीटिंग चेन्ज, सेफ हाईवे ऑफ लाईफ, सर्विस विद स्माइल जैसे तकनीकी सत्र तथा इटर्नल ट्रैव्लर, जर्नी टु रिगेन ईनर पावर्स और ट्रैफिक कंट्रोल ऑफ दी माइण्ड जैसे मेडिटेशन सत्र शामिल थे। प्रतिभागियों में सकारात्मक सोच के विकास तथा मूल्यों को आत्मसात करने की प्रेरणा देने के लिए 'खुशानीसीब', 'रूह-ए-गुलाब' 'सफलतामूर्त' जैसे विशेष नाम दिये गये।



'सेफ हाईवे ऑफ लाईफ' सत्र में मुख्य वक्ता ब्र.कु. स्वामीनाथन ने कहा कि सेफ ट्रैफिक के लिए नियमों की पालना

जरूरी है परन्तु हम देखते हैं कि ऐसा होता नहीं है। नियमों की पालना करने के लिए मन से तैयारी जरूरी है और उसके लिए आध्यात्मिक ज्ञान के आधार पर स्वयं को देहभान से दूर करना जरूरी है। आत्मिक स्मृति से व मानवीय गुणों की धारणा से सकारात्मक परिवर्तन आता है और सुरक्षित यात्रा संभव है। यात्रा में सहयोग देने वालों को दिल से धन्यवाद देकर, उन्हें नियम पालना हेतु प्रोत्साहित करें।

जितना कायदे के अनुसार जीवन चलेगा उतना ही फायदे में रहेंगे। हर कदम आपके संस्कारों का निर्माण कर रहा है इसलिए हर कदम अनुशासित हो।



'हीलिंग रिलेशनशिप' सत्र में मुख्य वक्ता ब्र.कु. श्रेया ने कहा कि जीवन को सुखद बनाने के लिए सम्बन्धों में साक्षीभाव हो तथा नकारात्मक सोच—'कहीं कुछ हो न जाए' से हमेशा दूर रहें। मैं शक्ति सम्पन्न आत्मा हूँ और मुझे मिला हुआ रोल करना है। ऐसी सोच से हम संबंध सुखदायी और बेहतर बना सकते हैं तथा समय पर अपना कार्य अच्छी रीति से कर सकेंगे।



'सर्विस विद स्माइल' सत्र में मुख्य वक्ता ब्र.कु. ई. गिरीश ने कहा कि खुशी के लिए जीने के बजाय खुशी-खुशी से जीने की आदत डालने से सदा मुस्कुराते हुए सेवा कर सकेंगे। सर्विस ऐसा कार्य है जिसमें सफलता उसकी गुणवत्ता तथा उपलब्ध कराने वाले के व्यवहार पर निर्भर होती है और ग्राहक की सन्तुष्टि सबसे महत्वपूर्ण होती है। उसके लिए मन में विभिन्न परिस्थितियों में खुशी बनाये रखना और मुस्कुराते रहना बहुत कारगर होता है। कहा भी जाता है मधुर व्यवहार से बिगड़े सम्बन्ध व कार्य भी सुधर जाते हैं। खुशी आत्मा की सबसे शक्तिशाली खुराक है। खुशी है तो हेल्थ भी है और सम्पन्नता भी है। वे भाग्यशाली हैं जिन्हें देखते ही सभी में खुशी का संचार होता है।



'ट्रैफिक कंट्रोल ऑफ द माइण्ड' सत्र में मुख्य वक्ता ब्र.कु. स्नेहा ने कहा कि मन के बोझ से बचने के लिए परमात्मा ने ऊपरी कक्ष बनाया है अतः आप बोझ उसे सौंपकर हल्के रहें। मन से हल्का होकर प्रभु प्रेम का आनन्द लेने के लिए संकल्पों को दिशा देना जरूरी है। खुशहाल व सुरक्षित जीवन के लिए संकल्पों के ट्रैफिक पर ध्यान देने का अभ्यास करें। यह शुभ शुरुआत आज और अभी से करें।

'मीटिंग चैलेंजेज-ग्रीटिंग चेन्ज' सत्र में मुख्य वक्ता डा. गिरीश पटेल ने कहा कि चुनौति आना महत्वपूर्ण नहीं है बल्कि उन परिस्थितियों में आप किस प्रकार से काम करते हैं, वह महत्वपूर्ण है। तनाव से मुक्त होने के लिए तनाव से दोस्ती को छोड़ देनी है। हमारे काम के कारण भी तनाव हो सकता है परन्तु उसे समाप्त करने के लिए मन से तैयार होना है। किसी की कम्प्लेन न करें बल्कि स्वयं को परिवर्तन को स्वीकार करने के लिए तैयार करें। मन के अनुकूल न होने वाली बातों को सहजता से लें और उनमें भी कल्याण समायो हुआ है यह निश्चय रखें। धैर्यता, साहस व संयम से अगर हम किसी भी परिस्थिति का सामना करेंगे तो हमारी विजय निश्चित है। तन का भान मिटा कर शुद्ध आत्मिक भाव अपनाने से तनाव दूर होगा।



भारत - वार्षिक 170 रुपये
तीन वर्ष 510 रुपये
आजीवन 4000 रुपये
विदेश - 2000 रुपये (वार्षिक)
कृपया सदस्यता शुल्क 'ओम शान्ति मीडिया' के नाम मनीआर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट माउण्ट आबू) द्वारा भेजें।

ओम शान्ति मीडिया
सम्पादक : ब्र.कु. गंगाधर
ब्रह्माकुमारीज, शान्तिवन, तलहटी
पोस्ट बॉक्स नं. - 5, आबू रोड (राज.) 307510
Enquiry For Membership, Mob. No. - 09414006096
(M)- 9414154344, E-mail : mediabkm@gmail.com,
omshantimedia@bkvivv.org, website: www.omshantimedia.info

प्रति